केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 297 शुक्रवार 22 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

स्मार्ट होगी आयुर्वेद और होम्योपैथी की पढ़ाई

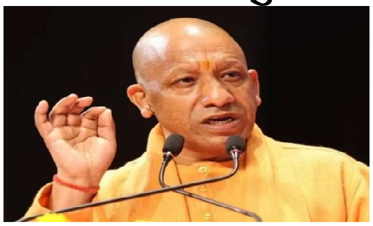

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में आयुष चिकित्सा शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में योगी सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। आयुष कॉलेजों के विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास की सौगात देने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत प्रदेश के 17 आयुर्वेद और होम्योपैथी मेडिकल कॉलेजों में 51 स्मार्ट क्लास रूम विकसित किए जाएंगे। इन स्मार्ट क्लासों में अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक और लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) का उपयोग किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक और इंटरैक्टिव शिक्षा का अनुभव मिल सकेगा। आयुर्वेद और होम्योपैथी की पढ़ाई स्मार्ट होगी।

आयुष महानिदेशक एवं मिशन निदेशक चौत्रा वी. ने बताया कि सीएम की मंशा के अनुरूप आयुष कॉलेजों में स्मार्ट क्लास रूम संचालित किए जाएंगे। इनमें इंटरएक्टिव फ्लैट पैनल (आईएफपी), ऑडियो–वीडियो सिस्टम और डिजिटल लर्निंग टूल्स का उपयोग किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को डिजिटल सहयोग आधारित शिक्षा मिल सकेगी। साथ ही रियल टाइम इंटरएक्शन, मल्टीमीडिया कंटेंट और ऑनलाइन अध्ययन की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

आयुष महानिदेशक ने बताया कि स्मार्ट क्लास रूम को 17 आयुष कॉलेजों में स्थापित किया जाएगा। इनमें राज्य होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज प्रयागराज, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, गाजीपुर, मुरादाबाद, आजमगढ़, गोरखपुर और अलीगढ़ शामिल हैं। साथ ही आयुर्वेदिक संस्थानों में लखनऊ, पीलीभीत, बरेली, मुजफ्फरनगर, बांदा, झांसी, प्रयागराज और वाराणसी के कॉलेजों में स्मार्ट क्लास रूम स्थापित किये जाएंगे। इन सभी संस्थानों में कुल 51 स्मार्ट क्लासरूम विकसित किए जाएंगे। इसके लिए कार्यदायी संस्था के रूप में यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन को नामित किया गया है।

कॉकरोच जनता पार्टी का एक्स अकाउंट बंद

नई दिल्ली (आभा)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के बयान के विरोध में शुरू हुई कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) का एक्स अकाउंट बंद कर दिया गया है। पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट पर इस पार्टी की खूब चर्चा हो रही है. CJP के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि पहले इस अकाउंट को हैक करने की कोशिश की गई थी. जब यह अकाउट हैक नहीं हुआ तो इस बंद कर दिया गया है। एक्स पर इस पार्टी के 1. 6 लाख से ज्यादा फॉलोवर्स थे, जबकि इंस्टाग्राम पर फॉलोवर्स की संख्या 13 मिलियन से ज्यादा हो गई है. एक्स पर पार्टी का अकाउंट ओपन करने पर लिखा आ रहा है कि लीगल डिमांड के चलते इस अकाउंट को विदहेल्ड किया गया है।

CJP नाम से इस ऑनलाइन कैंपेन की शुरुआत 16 मई को हुई थी. दरअसल, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) सूर्यकांत ने देश के कुछ खास बेरोजगार युवाओं के रवैये को लेकर 'कॉकरोच' शब्द का इस्तेमाल किया था. इसके विरोध में दीपके ने लिखा कि क्या हो अगर सारे कॉकरोच इकट्ठा हो जाएं. इसके बाद सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी नाम से ऑनलाइन कैंपेन शुरू हो गया और देखते ही देखते लोग इससे जुड़ने लगे. इंस्टाग्राम पर फॉलोवर्स के मामले में CJP ने केंद्र में सरकार चला रही भारतीय जनता पार्टी को भी पीछे छोड़ दिया है. रिपोर्ट्स के अनुसार, छह लाख लोगों ने इसके लिए खुद को रजिस्टर कर लिया है. सोशल मीडिया पर पार्टी के फॉलोवर्स की लिस्ट में कई बड़े नेता और सेलिब्रिटीज भी शामिल हैं।

एक नजर

ट्रेन की चपेट में आये बुजुर्ग की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर–लखनऊ रेलखंड पर गुरुवार सुबह एक हादसा हो गया। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के बहेरिया गांव के पास ट्रेन की चपेट में आने से 65 वर्षीय एक वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बहेरिया गांव निवासी 65 वर्षीय हजारीलाल गुरुवार सुबह किसी निजी काम से घर से बाहर निकले थे। गांव के पास रेलवे लाइन पार करते समय वह अचानक एक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए। ट्रेन की गति इतनी तेज थी कि उन्हें संभलने का मौका नहीं मिला और घटनास्थल पर ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

आसपास के लोगों ने शव देखकर तत्काल स्थानीय पुलिस और राजकीय रेलवे पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। हादसे की खबर सुनकर मृतक के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे। हजारीलाल के पुत्र रईस ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त की।

पुलिस ने आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है ताकि यह पता चल सके कि हादसा किस ट्रेन से और किन परिस्थितियों में हुआ।

बकाया मांगने पर कारोबारी को मिली धमकी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मुण्डेरवा थाना क्षेत्र में बिल्डिंग मैटेरियल के बकाया भुगतान को लेकर विवाद सामने आया है। बकाया रकम मांगने पर एक कारोबारी को धमकी देने, मारपीट और धोखाधड़ी का आरोप लगा है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर तीन आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, मुण्डेरवा थाने में दर्ज मुकदमे में वादी ने बताया है कि वह सिंह बिल्डिंग मैटेरियल फर्म का प्रोपराइटर है। उसकी दुकान टीबी हॉस्पिटल गिदही खुर्द के पास स्थित है। वादी का गांव जिवधरा निवासी लक्ष्मेश्वर सिंह उर्फ गोलू सिंह के साथ लंबे समय से व्यापारिक लेन–देन चल रहा था, जो अपनी बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान चलाते हैं।

तहरीर के मुताबिक, विभिन्न तिथियों में हुए कारोबार का आरोपियों पर करीब चार लाख 71 हजार रुपये बकाया है। आरोप है कि 17 मई 2026 को दोपहर लगभग तीन बजे वादी बकाया रकम मांगने के लिए कुसम्हा स्थित दुकान पर पहुंचा। इसी दौरान आरोपी पक्ष ने गाली–गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुए विवाद करने लगे।

वादी का आरोप है कि विपक्षियों ने कहा कि वे उसका पैसा हड़प लेंगे और इसके बाद उसे मारने के लिए दौड़ा लिया। मौके पर मौजूद लोगों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ। घटना के बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

मुण्डेरवा पुलिस ने इस मामले में लक्ष्मेश्वर सिंह उर्फ भोलू सिंह, बृजभूषण सिंह उर्फ सोनू सिंह और मोनू सिंह निवासी जिवधरा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

फर्जी आईडी से ट्रेनो का ई–टिकट बेचने वाला दलाल गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने फर्जी आईडी का उपयोग कर ई–टिकट बेचने वाले एक दलाल को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 12 हजार रुपये से अधिक मूल्य के लाइव और उपयोग किए जा चुके टिकट बरामद हुए हैं। यह कार्रवाई लखनऊ मुख्यालय से प्राप्त संदिग्ध मोबाइल नंबर और यूजर आईडी के सत्यापन के बाद की गई।

आरपीएफ उप निरीक्षक लाल साहब सिंह के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल बीरबल उरांव, कांस्टेबल मोहम्मद शमशाद मंसूरी, कांस्टेबल राजकुमार सिंह और सीआईबी/ए, गोरखपुर के हेड कांस्टेबल धीरेंद्र प्रताप सिंह की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। टीम ने मुंडेरवा थाना क्षेत्र के ओरवारा गांव में सड़क किनारे पेड़ के नीचे छापेमारी कर आरोपी बृजेश कुमार उर्फ दुर्गेश (पुत्र अशोक कुमार, निवासी ओरवारा, थाना मुंडेरवा) को गिरफ्तार किया।

जांच में सामने आया कि आरोपी बृजेश कुमार मोबाइल फोन के माध्यम से अपनी व्यक्तिगत यूजर आईडी का उपयोग कर रेलवे के ई–टिकट बनाता था। वह इन टिकटों को यात्रियों को 150 से 200 रुपये अतिरिक्त लाभ लेकर बेचता था। टीम ने आरोपी के कब्जे से छह पर्सनल यूजर आईडी बरामद की हैं।

आंगनबाड़ी भर्ती में रिश्वत लेते सफाई कर्मचारी को एंटी करप्शन टीम ने किया गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कप्तानगंज विकासखंड में आंगनबाड़ी नियुक्ति के नाम पर रिश्वत लेने के आरोप में एक सफाई कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है। एंटी करप्शन टीम ने गुरुवार को ब्लॉक परिसर में कार्रवाई करते हुए शिवमूरत नामक सफाई कर्मचारी को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा। इस कार्रवाई के बाद पूरे ब्लॉक परिसर में हड़कंप मच गया।

बताया गया है कि आंगनबाड़ी भर्ती प्रक्रिया में पैसे लेकर नियुक्ति कराने की शिकायतें लंबे समय से मिल रही थीं। इन शिकायतों के सत्यापन के बाद एंटी करप्शन टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी की सूचना फैलते ही ब्लॉक परिसर में कर्मचारियों, प्रधानों और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। कुछ लोगों ने गिरफ्तारी का विरोध करते हुए एंटी करप्शन टीम को रोकने का प्रयास किया और ब्लॉक का मुख्य गेट बंद करने की कोशिश भी की। इससे कुछ देर के लिए अफरा–तफरी का माहौल बन गया।

हालांकि, टीम ने सख्ती दिखाते हुए आरोपी को अपने कब्जे में लिया और मौके से रवाना हो गई। एंटी करप्शन टीम आरोपी शिवमूरत को लेकर बस्ती कोतवाली पहुंची, जहां उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

कड़ी सुरक्षा में लेखपाल भर्ती परीक्षा सम्पन्न, डीएम, एसपी ने किया निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । ,जनपद बस्ती में आयोजित लेखपाल भर्ती परीक्षा–2026 को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह द्वारा किसान इंटर कॉलेज मरहा कटया एवं इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज कप्तानगंज परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षार्थियों की उपस्थिति, प्रश्नपत्र वितरण व्यवस्था तथा सीसीटीवी निगरानी की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने परीक्षा कक्षों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा केन्द्र व्यवस्थापक एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा को पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप नकलविहीन परीक्षा कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को परीक्षा प्रक्रिया पर सतत निगरानी बनाए रखने एवं पूरी सतर्कता के साथ दायित्व निर्वहन के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह द्वारा भी परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अभ्यर्थियों की सघन जांच, प्रवेश पत्रों का सत्यापन तथा पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित पाई गई।

मौके पर संबंधित अधिकारी, केन्द्र व्यवस्थापक सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग में नौकरी के नाम पर ठगी: मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । स्वास्थ्य विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक से एक लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने फर्जी चयन सूची दिखाकर पीड़ित से पैसे हड़पे। हर्रैया पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह मामला हर्रैया थाना क्षेत्र का है। वादी राधेश्याम वर्मा, निवासी जोगापुर, थाना हर्रैया, जनपद बस्ती ने पुलिस को तहरीर दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सतीश पाण्डेय, निवासी भरपुरा, थाना दुबौलिया ने उनकी बहन को स्वास्थ्य विभाग में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया था।

आरोप के अनुसार, नौकरी लगवाने के नाम पर सतीश पाण्डेय ने राधेश्याम वर्मा से एक लाख रुपये लिए। कुछ समय बाद, आरोपी ने स्वास्थ्य विभाग की एक कथित चयन सूची का प्रिंटआउट दिया, जिसमें उनकी बहन का नाम दर्ज था।

पीड़ित परिवार ने जब इस सूची की सत्यता की जांच कराई, तो पता चला कि यह दस्तावेज पूरी तरह फर्जी था और इसका किसी भी आधिकारिक चयन प्रक्रिया से कोई संबंध नहीं था। राधेश्याम वर्मा का आरोप है कि जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपी ने केवल 30 हजार रुपये लौटाए और शेष 70 हजार रुपये वापस नहीं किए।

लगातार टालमटोल किए जाने के बाद, पीड़ित ने पुलिस से संपर्क किया। हर्रैया पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

नो हेलमेट, नो तेल नियम की उड़ रहीं हैं धज्जियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

इटवा (सिद्धार्थनगर)। जिले के मुखिया जिला अधिकारी के सख्त आदेशों को कुछ पेट्रोल पम्पों पर खुला उल्लंघन हो रहा है। इटवा के पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट धड़ल्ले से बांटा जा रहा है सिद्धार्थनगर जिलाधिकारी द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर 'नो हेलमेट, नो तेल' का सख्त नियम लागू किया गया है, लेकिन श्याम ऑटोमोबाइल्स पर इस आदेश का दूर–दूर तक कोई असर नहीं दिख रहा।

वायरल तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट के दर्जनों बाइक सवारों की भारी भीड़ उमड़ी हुई है और पंप कर्मी बिना किसी रोक–टोक के ईंधन भर रहे हैं। लाचार पुलिस और प्रशासन? स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अमला इस खुले उल्लंघन को रोकने और नियमों का पालन करवाने में पूरी तरह असमर्थ और नाकाम साबित हो रहा है। लोंगों का कहना है कि जब खुद जिम्मेदार ही नियमों का पालन कराने में पीछे हट रहे हैं, तो आम जनता में कानून का डर कैसे रहेगा। वैसे डीजल, पेट्रोल संकट के बीच कई नियम टूट रहे हैं।

निर्माण कार्यों की धीमी रफ्तार पर डीएम ने लगाई फटकार, एई का वेतन रोका

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने विकास खण्ड परसरामपुर, निर्माणाधीन राजकीय पालीटेक्निक कालेज धरमपुर, मिनी स्टेडियम धरमपुर, वृहद गोसंरक्षण केन्द्र ग्राम पंचायत नारायणपुर, हर्रैया स्थित पौधशाला का औचक निरीक्षण किया। विकास खण्ड परसरामपुर में ब्लाक परिसर, शिकायत पटल, एकाउण्ट कक्ष, आवास, पत्रावलियों का अवलोकन किया गया। व्यवस्थाए संतोषजनक पायी गयी। निर्माणाधीन राजकीय पालीटेक्निक कालेज धरमपुर में हाइड्रोलिक लैब, वर्कशाप, क्लासरूम, रोड कार्य, शौचालय, किचन, आवास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने पाया कि मौके पर 10 श्रमिको से कार्य कराया जा रहा है। कार्य की प्रगति धीमी पाये जाने पर उन्होने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए एई अरविन्द कुशवाहॉ का वेतन बाधित करते हुए स्पष्टीकरण जारी करने का निर्देश दिया।

मिनी स्टेडियम धरमपुर में उन्होने ड्राइंग का अवलोकन किया। कार्यदायी संस्था द्वारा बताया गया कि मई 2027 तक इस कार्य को पूर्ण किया जाना है। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि मिनी स्टेडियम का कार्य शीघ्रअतिशीघ्र शुरू किया जाय तथा किसी भी स्तर पर कोई समस्या हो तो तत्काल अवगत कराते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करें।

वृहद गोसंरक्षण केन्द्र ग्राम पंचायत नारायणपुर में पहुँचकर उन्होने पशुचिकित्साधिकारी डा. अवधेश कुमार यादव से वृहद गौशाला के मानको के बारे में पूछताछ की। निरीक्षण के दौरान उन्होने पानी, भूसा गोदाम, विद्युत, हरे चारे की व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। मौके पर उपस्थित लोगों ने परिसर में बरसात के मौसम में जल जमाव की समस्या को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने संबंधित को इस समस्या से निजात दिलाये जाने हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने कहा कि गौशालाओं के चारों तरफ बाउण्ड्रीवाल का कार्य शीघ्र पूर्ण कराते हुए संबंधित विभाग को गोशाला हैण्डओवर करें। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित किया कि उपयुक्त जमीन को चिन्हित करते हुए नैपियर घास की बुआई की कार्ययोजना तैयार की जाय।

खूनी संघर्ष में एक की मौत, 5 घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

इटवा (सिद्धार्थनगर)। जिले के पथरा थाना क्षेत्र के बनगवा पड़ाइन गांव में मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। गांव में हुई कहासुनी के बाद दो पक्ष आमने–सामने आ गए, जहां जमकर लाठी–डंडे, सरिया और ईंट–पत्थर चले। इस हिंसक झड़प में छह लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल जमीरउल्लाह को इलाज के लिए लखनऊ के राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं एक युवक का हाथ टूट गया, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पथरा पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

बातचीत में घायल अरबाज खान ने बताया कि 18 मई की सुबह करीब 8.30 बजे वह खेत की तरफ से लौट रहे थे, तभी गांव के निलेश पाण्डेय पुत्र सूर्यनाथ पाण्डेय ने उन्हें गाली दी और मारपीट की। परिजनों और गांव के लोगों ने बीच–बचाव कर मामला शांत करा दिया।

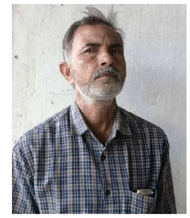

– जमीरउल्लाह की फाइल फोटो–

अरबाज के मुताबिक शाम को जब वह अपनी छत पर गमलों में पानी डाल रहे थे, तभी निलेश पाण्डेय ने उन पर पत्थर फेंका। विरोध करने पर आरोपी पक्ष के लोग लाठी–डंडा और सरिया लेकर उनके घर पहुंच गए। दोनों पक्षों ने डायल–112 को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और समझौता कराकर चली गई।

अरबाज ने आरोप लगाया कि अगले दिन जब वह अपने परिवार के साथ बाइक से दुकान जा रहे थे, तभी आरोपी पक्ष के लोग लामबंद होकर पहुंचे और लाठी–डंडे, सरिया व कांच की बोतलों से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि उनके चाचा जमीरउल्लाह को बुरी तरह पीटा गया, जिनकी बाद में इलाज के दौरान लखनऊ में मौत हो गई। अरबाज ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी पक्ष गांव छोड़ने की धमकी दे रहा है और मामले को सांप्रदायिक रंग देने की बात कह रहा है। उन्होंने पुलिस से न्याय की मांग की है। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद ने बताया कि थाना पथरा बाजार में आरोपियों के खिलाफ धारा 103(1) के तहत हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।उन्होंने कहा कि गांव में कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस निगरानी बढ़ा दी गई है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। युवक की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। फिलहाल पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 22 मई 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

मिलावटखोरी

इंसानी जीवन मूल्यों में किस हद तक गिरावट आई है कि कुछ लालची लोग मुनाफे के लिये दूसरे लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी गुरेज नहीं करते। अब चाहे सुकोमल व बीमारियों के संक्रमण की दृष्टि से संवेदनशील छोटे बच्चे ही क्यों न हों। निस्संदेह, जीवनदायिनी दूध में मिलावट, इंजेक्शन लगे फल–सब्जी तथा नकली दवाइयों का कारोबार जैसे घातक कृत्य से मुनाफा कमाने में लगे लोगों की मानवीय संवेदनाएं मर चुकी हैं। कल्पना करें कोई बीमार व्यक्ति सेहत के लिये दूध का सेवन करे और उसे रासायनिक पदार्थों से मिला दूध मिले तो वह स्वस्थ होने के बजाय बीमार ही हो जाएगा। ऐसा ही नकली–मिलावटी दवाइयों के बाबत कहा जा सकता है कि कोई बीमारियों से मुक्त होने हेतु दवा खरीदे और उसे नकली दवाइयां बेच दी जाएं। लेकिन इससे भी घातक वह कुकृत्य है जिसमें पंजाब में बायोमेडिकल कचरे की अवैध रीसाइक्लिंग से जुड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। दुखद ही है कि अस्पतालों और ब्लड बैंकों से एकत्र खतरनाक बायोमेडिकल कचरे को निर्धारित नियमों को ताक में रखकर रीसाइक्लिंग के लिये भेजा जा रहा था। जबकि सख्त नियमों के अंतर्गत प्रावधान है कि बायोमेडिकल कचरे को अनिवार्य रूप से नष्ट किया जाना चाहिए। खबरें तो ऐसी भी आई हैं कि बायोमेडिकल कचरे से रिसाइकल किया गया प्लास्टिक, मेडिकल उपकरण, यहां तक कि सस्ते खिलौने बनाने वालों तक पहुंच रहा है। उल्लेखनीय है कि बायोमेडिकल कचरे को उच्च गुणवत्ता वाले प्लास्टिक के रूप में पाया जाता है, जो सस्ती उपलब्धता के कारण उत्पादकों की लागत कम कर देता है। वहीं कुछ उत्पादों को साफ करके फिर से बाजार में उतारने की भी आशंका है। दरअसल,जानलेवा अवैध कारोबार का खुलासा तब हुआ, जब पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मिली शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक गोदाम से भारी मात्रा में बायोमेडिकल कचरा बरामद किया। निश्चित ही, इस घातक खेल में ऐसे लोग भी शामिल होंगे, जो मेडिकल कचरे को नष्ट करने के बजाय चंद रुपयों के लिये उसे बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं।

निस्संदेह, इस जानलेवा खेल के पीछे एक सुनियोजित सांठगांठ वाले गिरोह की भूमिका होगी। जिसके जरिये बायोमेडिकल कचरे को गोदामों से निकालकर स्क्रैप डीलरों के माध्यम से बेचा गया। पुलिस के छापे में गोदाम से खून से सने कॉटन पैड, प्रयोग की गई सिरिंज और खून के सैंपल वाली बोतलों समेत कई ऐसे मेडिकल वेस्ट मिले हैं जो घातक संक्रमण फैलाने का जरिया बन सकते हैं। कुछ लालची लोग मुनाफे के लिये यह जानलेवा काम कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह कि नियामक तंत्र की मौजूदगी में ये खेल कैसे चल रहा था? उल्लेखनीय है कि पंजाब में अमृतसर, लुधियाना,मुक्तसर,मोहली, नकोदर और पठानकोट में छह बोयोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट की सुविधाएं मौजूद हैं। इन सभी यूनिटों द्वारा हर दिन बीस हजार किलोग्राम बायोमेडिकल कचरे का निस्तारण किया जाता है। जिसकी निगरानी के लिये पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एक बारकोडिंग प्रणाली के जरिये जानकारी जुटाता है। इतना ही नहीं, कचरा ढोने वाले वाहनों की ट्रैकिंग और अन्य जानकारियां ऑनलाइन अपलोड की जाती हैं। सवाल यह उठता है कि इस अपवित्र कृत्य की कमजोर कड़ी कहां है? पुलिस सूत्रों ने इशारा किया है कि बायोमेडिकल कचरे पर मोहाली की एक अधिकृत कचरा संग्रहण कंपनी के बारकोड लगे थे। स्पष्ट है कि मानव स्वास्थ्य के लिये घातक कचरे को वैध निपटान प्रक्रिया से गुजारने के बजाय मुनाफे के लिये बाजार में बेच दिया गया। कहना कठिन है कि यह खतरनाक खेल कब से चल रहा था और न जाने कितने लोगों को घातक संक्रमण का शिकार बना दिया गया होगा। निस्संदेह, यदि प्रवर्तन एजेंसियां ईमानदारी से सख्त कार्रवाई करें तो अपराधियों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। सूत्र बताते हैं कि इस प्रकरण में एक ऐसी कंपनी की कारगुजारी संदिग्ध है, जिसे बायोमेडिकल कचरे के अनुचित प्रबंधन मामले में पहले भी पकड़ा जा चुका है। यदि पहले ही दोषियों को सख्त दंड मिला होता तो शायद वे दुबारा ऐसा करने का दुस्साहस नहीं कर पाते। निस्संदेह, नियामक तंत्र की कोताही और हमारी कानून व्यवस्था के छिद्र ऐसे अपराधियों को फिर–फिर पनपने का मौका देते हैं।

बदलती अर्थव्यवस्था के बीच सोना, सत्ता और सियासत

–संतोष कुमार तिवारी–

भारत में सोना केवल धातु नहीं, बल्कि विश्वास, परंपरा और सुरक्षा का प्रतीक है। गांव की गृहिणी से लेकर शहर के व्यापारी तक, हर वर्ग के लिए सोना संकट के समय की सबसे भरोसेमंद पूंजी माना जाता है। लेकिन अब यही सोना आर्थिक बहस के साथ–साथ राजनीतिक विमर्श का भी बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है।

हाल ही में प्रधानमंत्री का सोने को लेकर बयान काफी चर्चा में है और इसमें राजनीति भी देखने को मिल रही है। देश की पूंजी घर की तिजोरियों में बंद रहने के बजाय विकास और उत्पादक क्षेत्रों में लगनी चाहिए। प्रधानमंत्री के इस बयान को अर्थव्यवस्था में सोने पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के संकेत के रूप में देखा गया। इसके बाद सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक यह चर्चा तेज हो गई कि क्या सरकार भविष्य में सोने की खरीद पर और सख्ती करने जा रही है।

हालांकि केंद्र सरकार की ओर से सोना खरीदने पर किसी प्रतिबंध की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है लेकिन इस मुद्दे ने राजनीति को जरूर गर्मा दिया है। विपक्षी दल सरकार पर आम लोगों की पारंपरिक बचत पर नियंत्रण की कोशिश का आरोप लगा रहे हैं। कई विपक्षी नेताओं ने इसे मध्यम वर्ग और ग्रामीण समाज की आर्थिक स्वतंत्रता से जोड़कर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जिस देश में करोड़ों परिवार सोने को भविष्य की सुरक्षा मानते हों, वहां इस तरह के बयान लोगों में असुरक्षा पैदा कर सकते हैं।

दूसरी ओर भाजपा और सरकार समर्थक अर्थशास्त्रियों का तर्क है कि देश की पूंजी यदि केवल तिजोरियों में बंद रहेगी तो उद्योग, रोजगार और विकास प्रभावित होगा। उनका कहना है कि भारत हर साल भारी मात्रा में सोना आयात करता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार और व्यापार घाटे पर दबाव पड़ता है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार भारत दुनिया के सबसे बड़े स्वर्ण उपभोक्ता देशों में शामिल है और वर्ष 2025 में देश में लगभग 700 से 800 टन सोने की खपत हुई। अनुमान है कि भारत हर साल 45 से 60 अरब डॉलर तक का सोना आयात करता है।

यही कारण है कि मोदी सरकार लगातार लोगों को बैंकिंग, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और सरकारी बॉन्ड जैसी योजनाओं की ओर आकर्षित करने की कोशिश कर रही है।ैवअ. मतमपहद ळवसक ठवदक, डिजिटल गोल्ड और ळवसक म्ज्थ् जैसी योजनाएं इसी रणनीति का हिस्सा हैं। सरकार मानती है कि यदि घरेलू बचत उत्पादक क्षेत्रों में जाएगी तो अर्थव्यवस्था को अधिक मजबूती मिलेगी।

लेकिन राजनीति केवल अर्थशास्त्र से नहीं चलती, भावनाओं से भी चलती है। भारत में सोना सामाजिक प्रतिष्ठा और सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ा हुआ है। शादी–विवाह, त्योहार और धार्मिक आयोजनों में सोने की भूमिका इतनी गहरी है कि कोई भी राजनीतिक दल खुलकर इसके खिलाफ जाने का जोखिम नहीं लेना चाहता। यही वजह है कि विपक्ष इस मुद्दे को जनभावनाओं से जोड़कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है।

सोशल मीडिया पर भी इस विषय को लेकर दो तरह की धाराएं दिखाई दे रही हैं। एक वर्ग इसे आर्थिक सुधार की दिशा में जरूरी सोच बता रहा है, जबकि दूसरा वर्ग इसे जनता की निजी संपत्ति और परंपरागत निवेश पर सरकारी नजर के रूप में देख रहा है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले समय में यह मुद्दा आर्थिक राष्ट्रवाद बनाम व्यक्तिगत आर्थिक स्वतंत्रता की बहस में बदल सकता है।

सच्चाई यह है कि सरकार के सामने चुनौती दोहरी है। एक ओर उसे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है, दूसरी ओर करोड़ों लोगों की पारंपरिक मानसिकता और भावनात्मक जुड़ाव को भी समझना है। केवल नियमों और नियंत्रण से यह बदलाव संभव नहीं होगा। जनता का भरोसा जीतना और बेहतर निवेश विकल्प देना उतना ही जरूरी होगा।

अंततः यह बहस केवल सोने की नहीं, बल्कि उस भारत की है जो तेजी से बदल रही अर्थव्यवस्था और पुरानी सामाजिक परंपराओं के बीच संतुलन तलाश रहा है। आने वाले वर्षों में यह मुद्दा आर्थिक नीति के साथ–साथ राजनीतिक रणनीति का भी अहम हिस्सा बन सकता है। विपक्षी दलों के लोग प्रधानमंत्री के सोने, पेट्रोल इत्यादि के बयान पर खूब राजनीति कर रहे है।

संकट की घड़ी में सुविधाओं का त्याग करे जनप्रतिनिधि

–डॉ. प्रियंका सौरभ–

देश जब किसी बड़े संकट से गुजरता है, तब केवल सरकारों की नीतियाँ ही नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग का आचरण भी कसौटी पर परखा जाता है। इतिहास गवाह है कि कठिन समय में वही राष्ट्र मजबूत होकर उभरे हैं, जहाँ नेतृत्व ने जनता के सामने त्याग, सादगी और नैतिकता का उदाहरण प्रस्तुत किया। आज जब देश आर्थिक, सामाजिक और मानवीय चुनौतियों से जूझ रहा है, तब यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि सांसदों और विधायकों सहित सभी जनप्रतिनिधि अपने वेतन, भत्तों और सरकारी सुविधाओं का त्याग कर देशहित में एक प्रेरणादायक संदेश दें।इतिहास

सांसद और विधायक लोकतंत्र के प्रतिनिधि होते हैं। वे जनता के वोट से चुनकर संसद और विधानसभाओं तक पहुँचते हैं। जनता उनसे केवल कानून बनाने या भाषण देने की अपेक्षा नहीं करती, बल्कि यह भी चाहती है कि वे समाज के लिए आदर्श बनें। ऐसे समय में जब लाखों लोग बेरोजगारी, महँगाई, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे हों, तब जनप्रतिनिधियों द्वारा मिलने वाले मानदेय, गाड़ी भत्ता, डीजल–पेट्रोल खर्च, मकान किराया और टेलीफोन बिल जैसी सुविधाओं का त्याग निश्चित रूप से जनता के मन में विश्वास और सम्मान पैदा करेगा।

भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहाँ जनप्रतिनिधियों को अनेक प्रकार की सुविधाएँ इसलिए दी जाती हैं ताकि वे अपने दायित्वों का निर्वहन सुचारु रूप से कर सकें। लेकिन जब देश संकट में हो, तब नैतिकता यह कहती है कि नेतृत्व सबसे पहले अपने विशेषाधिकारों में कटौती करे। यह केवल आर्थिक बचत का प्रश्न नहीं है, बल्कि संवेदनशीलता और नैतिक जिम्मेदारी का विषय भी है। यदि देश का आम नागरिक कठिनाइयों में अपने खर्च कम कर सकता है, तो जनप्रतिनिधियों को भी त्याग और संयम का परिचय देना चाहिए।

आज समाज में राजनीति के प्रति अविश्वास बढ़ने का एक बड़ा कारण यह है कि जनता को लगता है कि नेताओं और आम नागरिकों के जीवन में बहुत बड़ा अंतर है। चुनाव के समय नेता जनता के बीच जाकर सेवा और त्याग की बातें करते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद अनेक बार वे सुविधाओं और विशेषाधिकारों में उलझ जाते हैं। यही कारण है कि लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती दिखाई देती है। यदि सांसद और विधायक स्वेच्छा से अपने वेतन और भत्तों का त्याग करें, तो यह राजनीति में नैतिकता की नई शुरुआत हो सकती है।

इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जब नेताओं ने व्यक्तिगत सुख–सुविधाओं का त्याग कर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। महात्मा गांधी ने सादगी को अपना जीवन बनाया। लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से एक समय का उपवास रखने की अपील की और स्वयं भी उसका पालन किया। स्वतंत्रता आंदोलन के अनेक सेनानियों ने व्यक्तिगत सुख, संपत्ति और परिवार तक का त्याग कर दिया। आज के नेताओं के सामने परिस्थितियाँ भले अलग हों, लेकिन राष्ट्रसेवा की भावना वही होनी चाहिए।भारतीय संस्कृति

यदि सांसद और विधायक अपने भत्तों और सुविधाओं का कुछ हिस्सा भी छोड़ दें, तो उससे करोड़ों रुपये की बचत हो सकती है। यह धन स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, गरीबों के कल्याण, किसानों की सहायता और आपदा राहत जैसे कार्यों में लगाया जा सकता है। देश में ऐसे लाखों परिवार हैं, जिन्हें आज भी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं। कई गरीब बच्चे शिक्षा से वंचित हैं, अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएँ कमजोर हैं, और किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे में जनप्रतिनिधियों का त्याग केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं होगा, बल्कि वास्तविक मदद का माध्यम भी बन सकता है।

हालाँकि यह भी सच है कि सभी जनप्रतिनिधि समान आर्थिक स्थिति में नहीं होते। कुछ विधायक और सांसद ऐसे भी हैं जो सामान्य परिवारों से आते हैं और अपनी राजनीतिक गतिविधियों के लिए इन्हीं सुविधाओं पर निर्भर रहते हैं। इसलिए इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है। किसी पर जबरन त्याग थोपने के बजाय इसे स्वैच्छिक और नैतिक अभियान के रूप में आगे बढ़ाना चाहिए। जिनके पास पर्याप्त संसाधन हैं, उन्हें आगे बढ़कर उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। इससे राजनीति में सकारात्मक संदेश जाएगा।

त्याग केवल आर्थिक नहीं होता, बल्कि व्यवहार और सोच में भी दिखाई देता है। आज आवश्यकता इस बात की भी है कि नेता अनावश्यक सरकारी खर्चों को कम करें। बड़े–बड़े काफिले, आलीशान कार्यक्रम, अत्यधिक प्रचार–प्रसार और दिखावे की राजनीति पर रोक लगनी चाहिए। जनता यह देखना चाहती है कि उसके प्रतिनिधि जमीन से जुड़े हुए हैं और उसकी समस्याओं को समझते हैं। जब नेता सादगी अपनाते हैं, तब समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन आता है।

"हम सुधरेंगे तो जग सुधरेगा" कृ यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का गहरा सत्य है। समाज का परिवर्तन हमेशा व्यक्ति से शुरू होता है। यदि नेतृत्व ईमानदारी, सादगी और त्याग का उदाहरण प्रस्तुत करेगा, तो उसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ेगा। जब नेता अपने खर्च कम करेंगे, तो जनता भी संसाधनों के प्रति जिम्मेदार बनेगी। जब सत्ता में बैठे लोग संवेदनशील होंगे, तब समाज में विश्वास और एकता मजबूत होगी।राजनीतिक विश्लेषण

आज सोशल मीडिया और आधुनिक संचार के दौर में जनता हर गतिविधि पर नजर रखती है। नेताओं की जीवनशैली, सरकारी खर्च और सुविधाएँ लगातार चर्चा का विषय बनती हैं। ऐसे समय में यदि जनप्रतिनिधि स्वेच्छा से अपने विशेषाधिकारों में कटौती करते हैं, तो यह जनता के बीच सकारात्मक संदेश लेकर जाएगा। इससे राजनीति की छवि भी सुधरेगी और युवाओं का लोकतंत्र के प्रति विश्वास बढ़ेगा।

यह भी समझना आवश्यक है कि राष्ट्रनिर्माण केवल सरकार का काम नहीं है। देश का हर नागरिक अपने स्तर पर योगदान दे सकता है। शिक्षक अपने ज्ञान से, किसान अपनी मेहनत से, सैनिक अपने साहस से और मजदूर अपने श्रम से देश की सेवा करता है। उसी प्रकार जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी केवल कानून बनाना नहीं, बल्कि कठिन समय में समाज को प्रेरणा देना भी है। त्याग और सेवा की भावना ही सच्चे नेतृत्व की पहचान होती है।

कई बार यह तर्क दिया जाता है कि नेताओं के वेतन और भत्तों में कटौती से देश की बड़ी आर्थिक समस्याएँ हल नहीं होंगी। यह बात आंशिक रूप से सही हो सकती है, लेकिन यहाँ मुद्दा केवल धन का नहीं, बल्कि नैतिक संदेश का है। जब देश का नेतृत्व त्याग करता है, तब जनता का मनोबल बढ़ता है। लोग महसूस करते हैं कि संकट केवल उन पर नहीं डाला जा रहा, बल्कि सभी मिलकर उसका सामना कर रहे हैं। यही भावना किसी भी राष्ट्र को मजबूत बनाती है।

कोरोना महामारी के दौरान दुनिया के कई देशों में नेताओं और अधिकारियों ने अपने वेतन में कटौती की थी। कई जगहों पर मंत्रियों ने स्वेच्छा से सुविधाएँ छोड़ीं और राहत कार्यों के लिए धन दिया। भारत में भी अनेक जनप्रतिनिधियों ने राहत कोष में योगदान दिया था। यह परंपरा और व्यापक होनी चाहिए। यदि संसद और विधानसभाएँ मिलकर एक नैतिक संकल्प लें कि संकट की अवधि में अनावश्यक सुविधाओं में कटौती की जाएगी, तो यह ऐतिहासिक कदम साबित हो सकता है।इतिहास

देश की जनता नेताओं से केवल भाषण नहीं, बल्कि व्यवहारिक उदाहरण चाहती है। राजनीति तभी सम्मानित होगी जब उसमें सेवा, संवेदना और जवाबदेही दिखाई देगी। आज आवश्यकता सत्ता के प्रदर्शन की नहीं, बल्कि समाज के साथ खड़े होने की है। सांसदों और विधायकों को यह समझना होगा कि जनता उन्हें विशेषाधिकार भोगने के लिए नहीं, बल्कि अपने दुःख–दर्द का सहभागी बनने के लिए चुनती है। त्याग की भावना भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। हमारे धर्मग्रंथों, संतों और महापुरुषों ने हमेशा संयम, सेवा और परोपकार का संदेश दिया है।

कैसी सादगी! विकसित भारत के अच्छे दिन?

–पूनम आई. कौशिश–

सादगी? यह क्या है? जॉर्ज ऑरवेल के दूसरों से ज्यादा बराबर वाले भारत के माहौल में, यह शब्द खोखला लगता है। इसलिए, जब प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में देशभक्ति के नाम पर भारतीयों से आग्रह किया कि वे विकसित भारत 2047 में सार्वजनिक परिवहन या कार पूल का इस्तेमाल करके, स्वदेशी अपनाकर, सोना खरीदने से बचकर, विदेश यात्रा को न कहकर आदि तरीकों से संयम को फिर से अपनाएं, तो दो अलग–अलग दर्दनाक यादें ताजा हो गईं– लॉकडाऊन के दिन और उदारीकरण से पहले का दौर। मुख्य रूप से इसलिए, क्योंकि महात्मा गांधी के जमाने से ही सादगी और खर्च में कटौती भारतीय राजनीति का ऑप्रेटिंग सिस्टम रही है।

याद है, कवयित्री और स्वतंत्रता सेनानी सरोजिनी नायडू की मशहूर टिप्पणी–'अफसोस गांधी को गरीब बनाए रखने में बहुत खर्च आता है!' जिसमें, ट्रेन के पूरे डिब्बे बुक करना और दूध के लिए शांत स्वभाव वाली बकरियां लाना शामिल था, ताकि उनकी खाने–पीने की खास और अनोखी जरूरतों को पूरा किया जा सके। हमारे पहले प्रधानमंत्री नेहरू ने एक भूखे गणराज्य से खाना बचाने को कहा। उनके बाद आए शास्त्री ने एक वक्त का खाना छोडने का उपदेश दिया, जब इंटरमिटैंट फासिंटग (बीच–बीच में भूखा रहना) और दिन में एक बार खाना सिर्फ खान–पान के नए चलन नहीं थे, बल्कि कड़वी सच्चाइयां थीं। इंदिरा ने जबरदस्ती की सादगी को अनुशासन में बदल दिया। सरकार कीमतों, जमाखोरों और आखिर में हर चीज पर नजर रखने लगी। और यहीं पर असली दिक्कत थी। त्याग करने की अपीलें आम बात थीं, क्योंकि खुद को सुख–सुविधाओं से दूर रखना राष्ट्र–निर्माण का एक जरूरी हिस्सा था। नागरिकों ने चावल, सोना या रात का खाना छोड़ दिया क्योंकि गणराज्य अभी भी बनने की प्रक्रिया में था। यह राशन कार्ड, रेडियो पर दिए गए भाषणों और इस भरोसे से जुड़ा हुआ था कि आने वाला कल आज की मुश्किलों को सही साबित करेगा। आज, उपभोग (खर्च करना) ही इस बात का सबूत बन गया है कि गणराज्य अब पूरी तरह से स्थापित हो चुका है। पैट्रोल, सोना, विदेश में छुट्टियां मनाना, तुरंत सामान मंगाने वाली सेवाएं और डैस्टिनेशन वैडिंग–अब इन्हें सिर्फ विलासिता नहीं माना जाता, ये अब जरूरतें बन गई हैं। दुख की बात है कि मोदी का विकसित भारत 2047 का सपना जमीन पर आ गिरा है और इसमें उनकी कोई गलती नहीं है। अच्छे दिन लाने का उनका वादा अब ठंडे बस्ते में चला गया है। लेकिन हमारे नेताओं का दोगलापन तो देखिए। सादगी बरतने की अपील अक्सर हमारे राजनीतिक और सरकारी अधिकारियों के लिए मिलने वाली खुली सुख–सुविधाओं के साथ–साथ चलती है, जिससे ऐसे उपाय खोखले लगने लगते हैं। खासकर तब, जब हम सुरक्षाकर्मियों के बड़े–बड़े काफिले और 30 मिनट से भी ज्यादा समय तक लगे रहने वाले ट्रैफिक जाम देखते हैं। जब प्रधानमंत्री ने अपने काफिले का आकार आधा कर दिया, तो उनके कुछ मातहत मंत्रियों ने भी स्कूटर पर पीछे बैठकर सफर किया, किसी ने ई–रिक्शा लिया, तो किसी ने साइकिल चलाई। यह दिखाने के लिए कि वे देशभक्ति की खातिर अपनी आलीशान और खर्चीली जीवनशैली को छोड़कर सादगी अपना रहे हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ा कि उनके सुरक्षाकर्मी आम राहगीरों को यह कहकर जोर–जोर से हटा रहे थे कि मंत्री जी साइकिल चला रहे हैं। और यह सब, सिर्फ एक फोटो खिंचवाने के लिए किया गया।

टैक्स देने वालों को हर साल 60 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है, ताकि ये लोग लुटियंस दिल्ली के पॉश इलाके में 5 एकड़ में फैले अपने आलीशान, सात–सितारा बंगलों में रह सकें। यही नहीं, हमारे जन सेवकों के पास पुलिस वालों की पूरी एक बटालियन होती है, जो उन्हें उसी जनता से बचाती है, जिसकी सेवा करने का वे दावा करते हैं! हैरानी की बात यह है कि देश की पूरी पुलिस फोर्स का 50 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ 2,500 वी.आई.पी. लोगों की सुरक्षा में लगा हुआ है और यह उस देश में हो रहा है, जहां शायद दुनिया में सबसे कम प्रति व्यक्ति पुलिस सुरक्षा उपलब्ध है (यानी 1 लाख लोगों पर सिर्फ 10 हथियारबंद पुलिसकर्मी)।

यह सच है कि मोदी ने वी.आई.पी. संस्कृति पर लगाम लगाने के लिए गाडियों पर लगी लाल बत्तियां हटवा दी थीं लेकिन फिर भी, उनके काफिले और ट्रैफिक रुकवाने का सिलसिला आज भी एक अघोषित विशेषाधिकार के तौर पर जारी है। यह सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग और अभिजात्य वर्ग के अपने ही दायरे में सिमटे रहने की धारणा को और मजबूत करने का एक स्पष्ट संकेत है। हमने गाडियों से लाल बत्ती तो हटा दी, लेकिन अपने मन से वह वी.आई.पी. मानसिकता नहीं हटा पाए। इस तरह, हम सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले की धज्जियां उड़ा रहे हैं, जिसमें कोर्ट ने कहा था– वी.आई.पी. सुरक्षा एक बेहद आपत्तिजनक चीज है। यह और कुछ नहीं, बल्कि सिर्फ एक रुतबे का प्रतीक है। यह एक शर्मनाक विसंगति है कि जहां सड़कों पर आम आदमी मारे जा रहे हैं और बुजुर्गों का गला घोंटा जा रहा है, वहीं राजनेता टैक्स देने वालों के पैसे पर इतनी ज्यादा सुरक्षा का मजा ले रहे हैं।

मुख्यतरू, समस्या का एक हिस्सा यह है कि नागरिकों को कटौती स्वीकार करने के लिए कहा जाता है, लेकिन शीर्ष स्तर पर अनुपातिक संयम नहीं दिखता। जब मितव्ययिता का उपदेश दिया जाता है, तो अभिजात वर्ग के आराम पर होने वाला स्पष्ट खर्च विरोधाभासी लगता हैं। ये मुद्दे आम आदमी के मन में कड़वाहट पैदा करते हैं। पहले से ही आसमान छूती कीमतों, घटते बजट और बढ़ती बेरोजगारी से जूझ रहे आम आदमी के लिए यह एक सवाल खड़ा करता है कि क्या सत्ता के प्रतीक हमारे संविधान में निहित गणतंत्रवाद की मूल विशेषता के विपरीत नहीं हैं? दुर्भाग्य से, भाजपा, कांग्रेस या अन्य किसी भी सत्ताधारी दल के पास मितव्ययिता लागू करने या वी.आई.पी. संस्कृति को समाप्त करने का कोई ठोस कारण नहीं है, क्योंकि भारतीय राजनीति में रुतबा ही सत्ता का प्रतीक है और संरक्षण तंत्र विशेषाधिकारों और सुविधाओं पर निर्भर करते हैं। परिणामस्वरूप, मितव्ययिता, जिसमें सामूहिक त्याग की आवश्यकता होती है, को पदानुक्रमित विशेषाधिकारों को समाप्त करने के अनुरूप होना होगा। तब तक संदेह बना रहेगा।

प्रशासनिक अक्षमताएं, राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित सब्सिडी और बुनियादी ढांचे पर अत्यधिक खर्च जैसे बड़े मुद्दों पर शायद ही कभी उतनी ही तत्परता से ध्यान दिया जाता है। तो, ऐसे माहौल में जहां सादगी और मितव्ययिता हमारी राजनीति के लिए एक कोरी कल्पना जैसी है, हम किस तरह की बचत की बात कर रहे हैं? असली मुद्दा मितव्ययिता नहीं, बल्कि असमानता है। अब समय आ गया है कि सरकार अपने खुद के खर्चों में कटौती करे। जैसा कि एक पूर्व वित्त मंत्री ने दबी जबान में कहा था, सरकार के एजैंडे में शामिल एक–तिहाई मदों को बिना किसी को पता चले ही हटाया जा सकता है। इसके साथ ही, कई ऐसे सरकारी विभाग और पद भी हैं, जिनकी कोई जरूरत नहीं है, और उनमें भी कटौती की जा सकती है। इसका एक जीता–जागता उदाहरण देखें, राजधानी दिल्ली में एन.डी.एम.सी. इलाके का दौरा करने पर ऐसा लगता है मानो आप किसी 'स्लंबर पार्टी' (रात भर चलने वाली मौज–मस्ती की पार्टी) में आ गए हों, जहां जो लोग जाग रहे हैं, वे बस गप्पें मारते हुए चाय पी रहे हैं।

निष्कर्ष यह है कि संदेश और वास्तविकता के बीच का यही अंतर उस भावना को हवा देता है कि कुछ लोग दूसरों से ज्यादा बराबर हैं (यानी कुछ लोग दूसरों से ज्यादा विशेषाधिकार प्राप्त हैं)। अब समय आ गया है कि हमारे ऊंचे और ताकतवर लोग (नेता) उस खतरे को पहचानें जो बिल्कुल करीब ही मंडरा रहा है और वास्तविकता को स्वीकार करें। क्या हमारे नेता खुद भी उस मितव्ययिता का पालन करेंगे, जिसका वे दूसरों को उपदेश देते हैं?

अपनी ही मोहब्बत की कातिल बनी 'जलपरी', दुपट्टे से गला घोंटकर प्रेमी को मार डाला

संवाददाता–कुशीनगर। जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्रेम–प्रसंग में युवती अपनी ही मोहब्बत की कातिल बन गई। हाटा नगर स्थित पूर्व विधायक की खाली पड़ी जमीन पर लगे मेले में काम करने वाली युवती ने अपने ही प्रेमी की गला घोंटकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मेले में युवक की हत्या की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने युवती को भी गिरफ्तार कर लिया है।

मृतक की पहचान सेवरही थाना क्षेत्र के पिपरा मुस्तकिल अगरवा के शुक्ल टोला निवासी करीब 34 वर्षीय शैलेश शुक्ल पुत्र स्व. उमाशंकर शुक्ल के रूप में हुई है। शैलेश शुक्ल मेले में काम करता था, जबकि गाजियाबाद निवासी युवती आरती अहिरवार मेले में बाउंसर के साथ–साथ जलपरी के रूप में काम करती थी। साथ में काम करने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और धीरे–धीरे प्रेम संबंध हो गया। दोनों लंबे समय से विभिन्न मेलों में एक साथ काम भी कर रहे थे। पुलिस के अनुसार हाटा के मेले में युवती काम नहीं कर रही थी।

बुधवार को ही युवक के बुलाने पर आई थी। आधी रात किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद धीरे–धीरे इतना बढ़ गया कि मामला हिंसक हो गया। आरोप है कि इसी दौरान युवती ने अपने दुपट्टे से शैलेश का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गुरुवार की सुबह घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी युवती आरती अहिरवार पुत्री हल्की राम निवासी गोविंदपुरम थाना बापूधाम जिला गाजियाबाद को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस हत्या के पीछे की वास्तविक वजह जानने के लिए हर पहलू से जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पूछताछ के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद हाटा नगर और आसपास के क्षेत्रों में तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं। मेले में काम करने वाले लोगों के बीच भी घटना को लेकर दहशत और चर्चा का माहौल बना हुआ है। इस संबंध में अपराध निरीक्षक हरिराम यादव ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। आरोपी युवती से पूछताछ की जा रही है तथा शीघ्र ही पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

मौत को दावतः गर्मी से बेहाल तेंदुआ पेड़ पर आराम कर रहा था, बच्चे बनाने लगे रील

संवाददाता–महराजगंज। लक्ष्मीपुर वन क्षेत्र में पेड़ की टहनी पर आराम कर रहे तेंदुए का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अचलगढ़ बीट के मानिकतालाब के पास तेंदुआ गर्मी और उमस से बचने के लिए पेड़ की ऊंची टहनी पर बैठा दिखाई दिया। इस दौरान आसपास मौजूद युवक मोबाइल से उसकी रील बनाते नजर आए। वीडियो में देखा जा सकता है कि तेंदुए के वजन से पेड़ की टहनी ऊपर–नीचे हो रही थी और वह आराम से वातावरण का आनंद ले रहा था। वहीं कुछ युवक और किशोर नीचे खड़े होकर मोबाइल से वीडियो बना रहे थे। कुछ के हाथों में लकड़ी के डंडे भी दिखाई दिए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वन विभाग ने चिंता जताई है। हालांकि वायरल वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गौरतलब है कि बीती 12 मई को भी लक्ष्मीपुर जंगल क्षेत्र में पुलिया के नीचे बैठे तेंदुए की रील बना रहे दो युवकों पर तेंदुए ने हमला कर दिया था, जिसमें दोनों घायल हो गए थे। इसके बावजूद लोग वन्यजीवों के करीब जाकर वीडियो बनाने से बाज नहीं आ रहे हैं। लक्ष्मीपुर वन क्षेत्राधिकारी वेद प्रकाश शर्मा ने ग्रामीणों और युवाओं को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि तेंदुआ बेहद संवेदनशील और खतरनाक वन्यजीव है। उसके पास जाकर रील बनाना न केवल जानलेवा हो सकता है, बल्कि यह वन्यजीव कानून का उल्लंघन भी है। वन विभाग ने साफ कहा है कि यदि कोई व्यक्ति वन्यजीवों को परेशान करते हुए या उनके साथ रील बनाते पकड़ा गया तो उसके खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने लोगों से जंगल क्षेत्र में सतर्क रहने और वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है।

भाकियू ने बैलगाड़ी यात्रा निकाल राष्ट्रपति को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–महराजगंज। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के पदाधिकारियों ने गुरुवार को महराजगंज में बैलगाड़ी यात्रा निकाली। जिलाध्यक्ष राम आशीष के नेतृत्व में किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों व किल्लत पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। यह बैलगाड़ी यात्रा प्रधानमंत्री की 'ईंधन बचाओ' अपील के समर्थन में 19 से 21 मई तक पनियरा से जिला मुख्यालय तक आयोजित की गई थी। किसानों ने अपनी बात रखते हुए कहा कि खेती के मौसम में डीजल महंगा होने से कृषि लागत लगातार बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त, जिले के कई पेट्रोल पंपों पर डीजल–पेट्रोल की कमी भी बनी हुई है, जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में कृषि कार्यों के लिए डीजल पर सब्सिडी देने की मांग की गई है। साथ ही, रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और कॉमर्शियल सिलेंडरों की बढ़ी हुई कीमतें तत्काल वापस लेने की भी अपील की गई। किसानों ने ईंधन बचाने के लिए नेताओं के काफिलों और अनावश्यक रैलियों में कटौती करने का सुझाव भी दिया। इस मौके पर जगदीश साहनी, राजेंद्र सिंह, मुरारी धारिया, वकील खान, पृथ्वीराज, कल्पना साहनी, कैलाश प्रसाद, मोतीलाल, मिथिलेश अग्रहरि, रामहित यादव, बे धड़क महाराज साधु, राधेश्याम सिंह, बरसाती देवी सहित कई किसान नेता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बेटे को बचाने के लिए तेंदुए से भिड़ गई महिला, हमले में 3 लोग घायल

संवाददाता–बहराइच। जिले के सुजौली थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह तेंदुए के हमले से दहशत फैल गई। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के तेलियनपुरवा गांव में गन्ने के खेत से निकले तेंदुए ने एक महिला, उसके पांच वर्षीय बेटे और एक युवक पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। तीनों को प्राथमिक इलाज के बाद अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक बरखड़िया के मजरे तेलियनपुरवा गांव निवासी मीना अपने पांच वर्षीय बेटे मोहित के साथ सुबह खेत की ओर जा रही थी। तभी गन्ने के खेत से अचानक निकले तेंदुए ने मोहित पर हमला कर दिया। बेटे को बचाने के लिए मीना तेंदुए से भिड़ गई और करीब 10 मिनट तक संघर्ष करती रही। इस दौरान तेंदुए ने मीना को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले के दौरान पास में मौजूद उमेश नामक युवक भी तेंदुए की चपेट में आ गया। तेंदुए ने उसके सिर और गर्दन पर हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। मीना के हाथ, पैर और सिर पर भी गहरे घाव आए हैं। घायल बच्चे मोहित को भी चोटें आई हैं।घटना के बाद मीना और उमेश की चीख–पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीण लाठी–डंडे लेकर तेंदुए को खदेड़ने लगे। काफी देर तक हांका लगाने के बाद तेंदुआ वापस गन्ने के खेत में भाग गया। ग्रामीणों ने घायलों को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुजौली पहुंचाया। वहां मौजूद चिकित्सक डॉ. रामपाल सिंह ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की गंभीर हालत को देखते हुए मोतीपुर सीएचसी रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर कतर्नियाघाट रेंज की वन विभाग टीम मौके पर पहुंची और इलाके का निरीक्षण किया। क्षेत्रीय वन अधिकारी आशीष गौड़ ने बताया कि तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है और क्षेत्र में लगातार गश्त व निगरानी बढ़ा दी गई है।

जनगणना ड्यूटी में बदलाव की मांग

संवाददाता–महराजगंज। परतावल विकासखंड के पंचायत सहायकों ने गुरुवार को सदर तहसील परिसर में तहसीलदार पंकज साही को एक ज्ञापन सौंपा। पंचायत सहायक संघ परतावल द्वारा सौंपे गए इस ज्ञापन में जनगणना 2027 की ड्यूटी में आ रही समस्याओं को उठाया गया।

सहायकों ने बताया कि वे विभिन्न विभागों में लगातार अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। अब उन्हें जनगणना कार्य में भी लगाया गया है, जिससे उनकी मौजूदा कार्यभार में वृद्धि हुई है।

ज्ञापन में विशेष रूप से महिला पंचायत सहायकों की समस्याओं पर प्रकाश डाला गया। कई महिला सहायकों की ड्यूटी उनके मूल निवास से 30 से 40 किलोमीटर दूर लगाई गई है। छोटे बच्चों और आवागमन की कठिनाइयों के कारण उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इसके अतिरिक्त, अल्प मानदेय में यात्रा खर्च बढ़ने से भी उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। पंचायत सहायकों ने मांग की है कि उनकी दूरस्थ ड्यूटी हटाकर उन्हें उनके मूल ग्राम पंचायत में ही तैनात किया जाए।

सदर तहसीलदार पंकज साही ने इस मामले को संज्ञान में लेने और घर के नजदीक ड्यूटी लगाने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर राजू प्रसाद, सुनंदन सागर, शिखा वर्मा, मेनका वर्मा, ममता, मनीसा, सुमन चौहान, सुनीता, अनुराधा, पूजा गुप्ता, शालनी, मोनी पाण्डेय, सुरेश चंद्र सहित कई अन्य पंचायत सहायक उपस्थित रहे।

तुलसीपुर में आदिशक्ति विद्यापीठ में योग शिविर आयोजितः ग्रामीण और स्कूली छात्रों को योग के लाभ व आसन सिखाए गए

संवाददाता–बलरामपुर। तुलसीपुर के आदिशक्ति माँ पाटेश्वरी विद्यापीठ, नंदमहरी, भंगहा कला में एक दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। शक्तिपीठ मंदिर देवी पाटन द्वारा संचालित इस प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान में योग शिक्षा के प्रसार के उद्देश्य से यह शिविर लगाया गया। इसमें विद्यालय के छात्रों और ग्रामीण बच्चों को योग के लाभों से अवगत कराया गया। शिविर में छात्र–छात्राओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए एक विशेष योग सत्र आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को योग के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था।

योग सत्र का संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य निश्चल शुक्ला के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को एकाग्रता बढ़ाने और शारीरिक लचीलेपन के लिए ताड़ासन, वृक्षासन, पद्मासन और वज्रासन जैसे आसनों का अभ्यास कराया। छात्रों को मानसिक तनाव कम करने और फेफड़ों को मजबूत बनाने के लिए अनुलोम–विलोम, कपालभाति और भ्रामरी प्राणायाम की तकनीकें भी सिखाई गईं। योगाचार्य ने बच्चों को दैनिक जीवन में योग के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि एकाग्रता और स्मरण शक्ति को भी बढ़ाता है, जो विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी और सेवानिवृत्त इंजीनियर अरुण कुमार सिंह, प्रधानाचार्य निश्चल शुक्ला और आदिशक्ति मां पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल तुलसीपुर के योग प्रशिक्षक एस.आर. साहू सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना की और उनका मनोबल बढ़ाया। प्रधानाचार्य निश्चल शुक्ला ने कहा कि आज के डिजिटल युग और पढ़ाई के तनाव के बीच बच्चों के लिए योग और प्राणायाम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान भविष्य में भी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा। कार्यक्रम का समापन आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

चिकित्सा बिल पास कराने के एवज में मांगी थी घूस, एंटी करप्शन टीम ने सीएमओ कार्यालय के कर्मी को दबोचा

संवाददाता–बलरामपुर। बृहस्पतिवार को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने कार्रवाई की। सीएमओ कार्यालय में तैनात वरिष्ठ सहायक को एंटी करप्शन की टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल पर प्रतिहस्ताक्षर कराने के एवज में पांच हजार रुपये रिश्वत की मांग की गई थी। कार्रवाई निरीक्षक धनंजय कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने की। मोहनलाल जायसवाल पुत्र स्व. रामप्यारे जायसवाल निवासी फुलवरिया, थाना चौरीचौरा, जनपद गोरखपुर को गिरफ्तार किया गया है। वह वर्तमान में सीएमओ कार्यालय, बलरामपुर में वरिष्ठ सहायक पद पर तैनात था। एंटी करप्शन टीम के अनुसार, शिकायतकर्ता शिवचरन लाल पुत्र स्व. सीताराम निवासी धुसाह, थाना कोतवाली देहात ने शिकायत की थी। बताया था कि उनका करीब 1.59 लाख रुपये का चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल लंबे समय से लंबित चल रहा है।

आरोप है कि बिल की जांच करके प्रतिहस्ताक्षर कराने के बदले आरोपी कर्मचारी पांच हजार रुपये रिश्वत मांग रहा था। शिकायत मिलने के बाद भ्रष्टाचार निवारण संगठन ने पहले पूरे मामले का सत्यापन कराया। शिकायत सही पाए जाने पर ट्रैप टीम गठित करके आरोपी को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनाई गई।

बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12रू40 बजे टीम ने सीएमओ कार्यालय के मुख्य गेट के सामने सड़क पर जाल बिछाया। जैसे ही शिकायतकर्ता ने आरोपी को पांच हजार रुपये दिए। इसी समय टीम ने तत्काल उसे पकड़ लिया। कार्रवाई इतनी अचानक हुई कि आसपास मौजूद लोग और कर्मचारी कुछ समझ ही नहीं सके। टीम ने मौके से रिश्वत की रकम बरामद करने के साथ आवश्यक साक्ष्य भी जुटाए। जांच में प्रार्थना पत्र, प्री–ट्रैप जांच रिपोर्ट, शिकायतकर्ता का बयान, चिकित्सा प्रतिपूर्ति से जुड़े दस्तावेज तथा ऑडियो–वीडियो रिकॉर्डिंग को भी शामिल किया गया है। कार्रवाई की सूचना मिलते ही सीएमओ कार्यालय में अफरातफरी का माहौल बन गया। कर्मचारी एक–दूसरे से घटना की जानकारी लेते नजर आए। पूरे दिन कार्यालय में रिश्वतखोरी की चर्चा होती रही। सूत्रों के अनुसार, एंटी करप्शन टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है। यह भी जांच की जा रही है कि कहीं चिकित्सा प्रतिपूर्ति से जुड़े अन्य मामलों में भी रिश्वतखोरी का नेटवर्क तो सक्रिय नहीं था। इस मामले में आरोपी के खिलाफ कोतवाली देहात थाना में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। एंटी करप्शन संगठन का कहना है कि सरकारी कार्यालयों में रिश्वतखोरी की शिकायत मिलने पर आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बिजली न मिलने से फूटा लोगों का गुस्सा, उपकेंद्र पर जड़ा ताला

संवाददाता–देवरिया। ओवरलोड के चलते रात रात भर बिजली न मिलने से गुरुवार की सुबह लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सैकड़ों की संख्या में लोग तेलिया कला बिजली उपकेंद्र पर पहुंच गए और ताला जड़कर धरने पर बैठ गए। अधिकारियों के समझाने व 24 घण्टे में समस्या का समाधान करने का भरोसा दिलाने पर करीब दो घण्टे बाद धरना समाप्त हुआ।

तेलिया कला बिजली केंद्र से तीन दर्जन गांवों को बिजली की आपूर्ति होती है। लोगों का कहना है कि केंद्र से पांच एमबीए का ट्रांसफार्मर लगा है। इसी से आपूर्ति होती है। लोड को देखते हुए 6 माह पहले एक पांच का और ट्रांसफार्मर आया, लेकिन विभाग ने उस ट्रांसफार्मर को लगाया नहीं। इसके चलते गर्मी के चलते लोड बढ़ने पर विभाग बिजली काट दी रहा है। कई– कई घण्टे बिजली नहीं रह रही है। इधर लगातार कई दिनों से रात रात भर बिजली न रहने से गुस्साए लोगों ने तेलिया कला बिजली केंद्र पर सुबह 9 बजे ताला जड़ दिया और धरने पर बैठ गए। एसडीओ आलोक यादव, जेई पंकज गुप्ता केंद्र पर पहुंचे व लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन लोग नहीं। इसके बाद नायब तहसीलदार रविन्द्र मौर्य पहुंचे। करीब दो घण्टे तक समझाने व 24 घण्टे के भीतर समस्या का समाधान का आश्वासन देने के बाद लोग माने। इस दौरा विजय रावत, विनीत उपाध्याय, विनोद चौधरी सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जनकल्याणकारी योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं –सांसद

संवाददाता–श्रावस्ती। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक कलेक्ट्रेट में हुई। समिति के अध्यक्ष और सांसद राम शिरोमणि वर्मा ने बैठक की अध्यक्षता की।उन्होंने स्पष्ट कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सांसद वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर दिखना चाहिए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। बैठक में सांसद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने–अपने क्षेत्रों की स्थानीय समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। उनके त्वरित समाधान की मांग की। इस दौरान पिछली दिशा बैठक की अनुपालन रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई, जिसके बाद विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। बताया गया कि 4900 परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 29,961 आवेदनों को स्वीकृति देकर लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना में 104 पात्र परिवारों को सहायता प्रदान की गई। वहीं, निराश्रित दिव्यांगजन भरण–पोषण अनुदान योजना के तहत 5682 दिव्यांगजनों को पेंशन भेजी जा चुकी है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत वर्ष 2026–27 में 66,601 परिवारों का आवास सर्वे पूरा किया गया।

क्षतिग्रस्त पुल के एप्रोच मार्ग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

संवाददाता–श्रावस्ती। हरिहरगंज–ललिया बनकटवा मार्ग से जुड़े ललिया–भवनियापुर लिंक मार्ग पर स्थित भवनियापुर गांव के निकट पुल का एप्रोच और पूर्वी छोर की सुरक्षा दीवार दो वर्ष पूर्व आई बाढ़ में बहकर नाले में समाहित हो गई थी। लंबे समय बीतने के बावजूद अब तक मरम्मत कार्य शुरू न होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। गुरुवार को नाराज ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को रजिस्टर्ड डाक से ज्ञापन भेजते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि पुल का संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त होने से बड़े वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

स्कूली वाहन, एम्बुलेंस और अन्य जरूरी वाहन जोखिम उठाकर गुजरने को मजबूर हैं। पुल के पास गहरे गड्ढे और कटान के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिनमें अब तक कई लोग घायल हो चुके हैं। बाइक सवार सबसे अधिक हादसों का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग लगभग 80 गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। यदि बरसात से पहले मरम्मत नहीं कराई गई तो तेज बहाव में पुल के पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने का खतरा बना हुआ है, जिससे दर्जनों गांवों का संपर्क टूट सकता है।

कस्तूरबा विद्यालय में 8 छात्राएं गर्मी से बेहोश, भीषण गर्मी से तबीयत बिगड़ी

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में भीषण गर्मी के कारण स्कूलों में भी इसका असर दिख रहा है। गुरुवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में पढ़ाई के दौरान आठ छात्राएं एक–एक कर बेहोश हो गईं।

विद्यालय की वार्डन सुधा मिश्रा ने तुरंत 108 एंबुलेंस को बुलाया। दीपा, खुशबू, फरजाना, शीबा, कृतिका, शुभावती, उमा और आंशिक आर्य सहित सभी आठ छात्राओं को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला मेमोरियल अस्पताल के आपातकालीन चिकित्सक डॉ. ऋषि श्रीवास्तव ने बताया कि अस्पताल लाई गई छात्राओं में से तीन अचेत अवस्था में थीं, जबकि अन्य पांच की हालत भी खराब थी। सभी छात्राओं को उल्टी, सिरदर्द और बेहोशी जैसी शिकायतें थीं। फिलहाल उनका इलाज जारी है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हो गया। जिलाधिकारी विपिन जैन ने तत्काल डॉक्टरों की एक टीम विद्यालय भेजकर अन्य छात्राओं की स्वास्थ्य जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने भीषण गर्मी और उमस को देखते हुए जिले के सभी कस्तूरबा आवासीय विद्यालयों में अवकाश घोषित करने की बात भी कही है। बलरामपुर जिले में कुल 11 कस्तूरबा आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जिनमें लगभग 1900 छात्राएं रहकर पढ़ाई करती हैं। लगातार बढ़ते तापमान और उमस के बीच छात्राओं के स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

रेडक्रास ने जिला अस्पताल में निःशुल्क प्याऊ शुरू किया

संवाददाता–श्रावस्ती। भीषण गर्मी के बीच आम नागरिकों को हीटवेव और हीटस्ट्रोक से बचाने के लिए इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी ने संयुक्त जिला अस्पताल परिसर में निःशुल्क प्याऊ शुरू किया है। सोसाइटी की अध्यक्ष और जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया और स्वयं जल सेवा भी की।

इस अवसर पर जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने कहा कि लगातार बढ़ती गर्मी में शरीर को निर्जलीकरण से बचाने के लिए नियमित रूप से पानी पीना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि अक्सर लोग कामकाज की व्यस्तता के कारण पानी पीने से बचते हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर खतरे पैदा हो सकते हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि इस प्याऊ पर केवल ठंडा पानी ही नहीं, बल्कि गुड़ और ओआरएस के पैकेट भी उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका तत्काल उपयोग किया जा सके। उनका मानना है कि प्याऊ की उपलब्धता से लोगों में पानी पीने की आदत विकसित होगी, जो हीटवेव के दुष्प्रभावों से बचाव में सहायक सिद्ध होगी।

उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों, समाजसेवियों, व्यापारियों, पेट्रोल पंप संचालकों, नर्सिंग होम और अन्य संस्थानों से सार्वजनिक स्थलों पर ऐसे प्याऊ शुरू करने की अपील की। जिलाधिकारी ने जोर दिया कि हीटवेव से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रशासन के साथ–साथ आम नागरिकों का सहयोग भी अत्यंत आवश्यक है। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव और आपदा विशेषज्ञ अरुण कुमार मिश्र ने जानकारी दी कि आगामी 15–16 जून तक तापमान में और वृद्धि होने की संभावना है, जिससे हीटवेव का खतरा बना रहेगा। उन्होंने बताया कि गर्म मौसम में नागरिकों को कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, जिनसे बचाव के लिए रेड क्रॉस सभी आवश्यक कदम उठा रहा है।

राजीव गांधी की पुण्यतिथिः कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि, योगदान को किया याद

संवाददाता–देवरिया। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा श्रद्धापूर्वक मनाई गई। टाउन हॉल स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने राजीव गांधी के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए उनके योगदान को सराहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' ने कहा कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माण के शिल्पकार थे। उन्होंने देश में सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार और कंप्यूटर क्रांति की मजबूत नींव रखी थी। मल्ल ने आगे कहा कि आज भारत जिस डिजिटल और तकनीकी विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसकी शुरुआत राजीव गांधी के कार्यकाल में हुई थी। उन्होंने युवाओं और देश के भविष्य को लेकर हमेशा गंभीरता दिखाई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि राजीव गांधी ने पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत कर गांवों तक लोकतंत्र को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। शिक्षा, विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में उनके योगदान को देश हमेशा याद रखेगा। विजय शेखर मल्ल ने कहा कि राजीव गांधी का सपना एक मजबूत, आधुनिक, समावेशी और विकासशील भारत का था। कांग्रेस पार्टी उनके आदर्शों और विचारों पर चलकर जनहित और देशहित में निरंतर संघर्ष करती रहेगी। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने और राजीव गांधी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में नागेंद्र शुक्ला, ऋषिकेश मिश्रा, भरत मणि त्रिपाठी, सुनील कुमार तिवारी, जयप्रकाश धनगर, संजीव कुमार मिश्रा, धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय, मार्कण्डेय मिश्रा, आलोक त्रिपाठी 'राजन', शहनाज जफर, मनोज मणि, शिव शंकर सिंह, रीता देवी, सुनील कुमार यादव, रजनीश प्रसाद, विनोद दुबे, पन्नालाल पाठक, सत्य प्रताप मिश्रा 'अंशु', विनोद त्रिपाठी, इजहार और दीपक पटवा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जूनियर नेशनल चैंपियनशिप के समापन अवसर पर सीएम योगी ने खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया

संवाददाता—गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामगढ़ताल में आयोजित जूनियर नेशनल चैंपियनशिप के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल होने पहुंचे। सीएम ने रोइंग के दो फाइनल इवेंट देखे। इसके बाद विजेताओं को पुरस्कृत किया। वहीं इस दौरान रविकिशन ने विपक्ष के नेताओं को टारगेट करते हुए कहा—श्श्यहां रोइंग चलत बा बाबूश्श्। यह कहते हुए उनकी एक्टिंग पर खूब तालियां बजीं। मुख्यमंत्री के पास बैठे—बैठे भी उन्होंने यह एक्टिंग की। पहले रामगढ़ताल में करप्शन था, लूट थी, डकैत थे। मैं बार—बार इसे स्पेन कहता हूं तो गलत नहीं कहता। अपनी आंख से करप्शन का चश्मा हटाइए तब यह स्पेन दिखेगा। सीएम ने रविकिशन की चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा कि रविकिशन नहीं आ रहे थे, लेकिन दुबे जी (कुशीनगर के सांसद विजय दुबे) ने कहा कि उनकी जगह मैं आउंगा। यह यह प्रतियोगिता कुशीनगर में कराना चाहते थे। तब रविकिशन भी आ गए। इसके पहले अक्टूबर 2024 में आयोजित सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप के समापन समारोह में भी खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री का पाथेय प्राप्त हुआ था। रामगढ़ताल को वाटर स्पोर्ट्स का राष्ट्रीय प्लेटफार्म बनाने का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है। विशाल ताल को निखारने के साथ ही उन्होंने इसके समीप 49 करोड़ रुपये की लागत वाले विश्व स्तरीय वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की भी सौगात दी है।

इसी का नतीजा है कि यहां एक के बाद एक रोइंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही हैं। यही नहीं, यहां एशियाड 2026 की तैयारी में जुटी रोइंग की राष्ट्रीय महिला टीम का प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित हो चुका है।

रविकिशन की चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा कि रविकिशन नहीं आ रहे थे, लेकिन दुबे जी (कुशीनगर के सांसद विजय दुबे) ने कहा कि उनकी जगह मैं आउंगा। यह प्रतियोगिता कुशीनगर में कराना चाहते थे। अगर उत्तर प्रदेश की बात करें तो उत्तर प्रदेश वाटर स्पोर्ट्स की दृष्टि से बहुत समृद्ध है। यहां गंगा, यमुना, सरयू, राप्ती एवं गंडक जैसी नदियां हैं। प्रयागराज, कानपुर, गढ़मुक्तेश्वर में, मिर्जापुर, बलिया, वाराणसी में ये प्रतियोगिताएं हो सकती हैं। सीएम ने कहा कि यहां वाटर स्पोर्ट्स कांप्लेक्स भी विकसित हुआ है। रामगढ़ताल अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुका है। आने वाले समय में यहां प्रतियोगिताएं होंगी। कामनवेल्थ खेल 2030 में अहमदाबाद में है। रोइंग की महिलाओं के प्रशिक्षण के लिए गोरखपुर के रामगढ़ताल को चुना गया है। यहां अच्छे कोच, मैनेजर और एक्सपर्ट को यहां रखना होगा। जिससे भारत की टीम यहां मेडल ला सके। जिस उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले खेल सुविधाओं का नितांत अभाव था। वहीं आज हर गांव में खेल के मैदान हैं। हर ब्लाक में मिनी स्टेडियम है। हर जनपद में स्टेडियम या तो बन चुके हैं या बन रहे हैं। गांव—गांव में प्रतियोगिताएं हो रही हैं। खेल और खेल की गतिविधियों के लिए लोगों में रुझान पैदा हुआ है। पिछली सरकारों में कोई खेल नीति नहीं थी। सरकार बनने के बाद हमने खेल नीति बनाई। मेडल प्राप्त करने वाले 534 खिलाड़ियों की सीधी भर्ती उनके मेडल के आधार पर की। लगभग 500 खिलाड़ियों की भर्ती और चल रही है। जिन्होंने इंटरनेशनल प्रतियोगिताओं में मेडल प्राप्त किया है।

सीएम ने कहा कि जब हम खेल की बात करते हैं, तो वह हर युवा को फिटनेस की सीख देता है। जो शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होता है, वही बेहतर कर सकता है। भारत आज विश्व रोइंग मानचित्र पर एक बड़ी शक्ति बनकर उभरा है। रामगढ़ताल, जिसमें यह प्रतियोगिता संपन्न हुई। यहां के बारे में 2017 के पहले लोग क्या—क्या बोलते थे। यहां गंदगी थी। इस सीजन में एकदम बदबू होती थी। कोई आ नहीं सकता था। वहीं रामगढ़ताल नेशनल प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है। यहां एशियन गेम की तैयारी के लिए भारतीय महिला रोइंग टीम का प्रशिक्षण भी यहीं हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुझे खुशी है कि गोरखपुर की इस ऐतिहासिक रामगढ़ झील में जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। 20 राज्यों के लगभग 300 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर प्रधानमंत्री के एक भारत श्रेष्ठ भारत के विजन को आगे बढ़ाने का काम किया। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के कारण भारत में एवं भारत के सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य में स्पोर्ट्स इकोसिस्टम का विकास तेजी से हुआ है। युवाओं की दृष्टि से यह अत्यंत शुभ लक्षण है। कहते हैं कि जिस देश का युवा सकारात्मक हो, उस देश का भविष्य उज्जवल होता है। स्पोर्ट्स परसन हमेशा सकारात्मक भाव के साथ काम करता है। वह नकारात्मकता, नशा से दूर रहता है। आत्म अनुशासन का महत्व भी वह बताता है। पिछले 11—12 वर्ष में स्पोर्ट्स का वह इकोसिस्टम भारत में विकसित हुआ। नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में भी यह इकोसिस्टम विकसित हुआ। जब मैं प्रतियोगिताओं को देख रहा था तो बहुत अच्छा लगा। विपरीत परिस्थितियां थीं, तेज हवा चल रही थी। तब मुझे वह पंक्तियां याद आ गईं कि लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती। जो डर गया वो मर गया। जो भाग गया, उसे समाज, ईश्वर कभी माफ नहीं करता। जीवन का एक ही मंत्र है चरवैति, चरवैति यानी चलते रहो, चलते रहो।

खेल राज्य मंत्री गिरीश चंद यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खिलाड़ियों को सारी सुविधाएं मिल रही हैं। उसका परिणाम है कि उत्तर प्रदेश ने पदक जीता है। खिलाड़ियों के उत्साहवर्द्धन के लिए मुख्यमंत्री ने सभी को नौकरी देने का फैसला किया है। अब तक 20 से अधिक लोगों को नौकरी दी जा चुकी है।

रविकिशन ने विपक्ष के नेताओं को टारगेट करते हुए कहा कि यहां रोइंग चलत बा बाबू । यह कहते हुए उनकी एक्टिंग पर खूब तालियां बजीं। मुख्यमंत्री के पास बैठे—बैठे भी उन्होंने यह एक्टिंग की। रविकिशन ने कहा कि रोइंग में 1990 के बाद उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने नेशनल में स्वर्ण पदक जीता। इजिप्ट में यह खेल शुरू हुआ था। बाद में यह कयाकिंग व रोइंग के रूप में आया। कभी किसी ने नहीं सोचा था कि जो रामगढ़ताल सपा की सरकार में नाले के लिए इस्तेमाल होती थी। गोरखपुर का कचरा यहां फेंका जाता था। जानवर की लाशें बहती थीं। आज जहां चप्पू चल रहा है, पहले वहां गोलियां चलती थीं। पिछली सरकार ने इसे गंदगी का अड्डा बना दिया था।

यह ताल इंटरनेशनल स्पोर्ट्स के लिए तैयार हो चुका है। यहां इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाया जा रहा है। अब ताल में भी इंटरनेशनल इवेंट होना चाहिए क्योंकि मुख्यमंत्री जो सोचते हैं, वो करते हैं। यही खेल आपको सरकारी नौकरी की ओर ले जाएगा। आपका नाम होगा। पहले करप्शन था, लूट थी, डकैत थे सारे। मैं बार—बार इसे स्पेन कहता हूं तो गलत नहीं कहता। अपनी आंख से करप्शन का चश्मा हटाइए तब यह स्पेन दिखेगा। यहां नेशनल इवेंट हो रहा है। चप्पे चल रहा है। यहां रोइंग चलत बा बाबू,गोरखपुर। भारतीय रोइंग संघ के अध्यक्ष एम बालाजी ने कहा श्श्महिलाओं के लिए यहां सुरक्षा भी है, इसलिए महिलाओं का कैंप यहां आयोजित किया गया। साई ने कहा है कि रामगढ़ताल ओलंपिक के लिए रोइंग के केंद्रों में से एक होगा।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीज ने पहली मंजिल से कूदकर दी जान, प्राचार्य ने गठित की छह सदस्यीय जांच टीम

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज, सद्दरपुर में भर्ती मरीज ने बुधवार की रात वार्ड की पहली मंजिल से कूदकर जान दे दी। परिवार के लोगों ने घटना के बाद पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और शव लेकर चले गए। हालांकि, कॉलेज प्रशासन ने छह सदस्यीय जांच टीम का गठन कर रिपोर्ट तलब की है। टांडा के हुसैनपुर गिरंट गांव निवासी अनुराग वर्मा (26) को बीते दिनों ट्रैक्टर से गिरने के कारण पैर में गंभीर चोट लगी थी। उपचार के लिए उन्हें 19 मई को राजकीय मेडिकल कॉलेज के पहली मंजिल पर वार्ड नंबर सात में भर्ती कराया गया था। बुधवार की रात करीब 11 बजे अनुराग अचानक अपने वार्ड से बाहर निकले और 100 मीटर आगे जाकर प्रथम तल से नीचे कूद गए। इस घटना से अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। सिक्योरिटी गार्ड आननफानन उन्हें लेकर इमरजेंसी वार्ड पहुंचे। वहां इलाज के दौरान बृहस्पतिवार की सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक के पिता मेवालाल वर्मा ने बताया कि अनुराग उनका इकलौता बेटा था। मां राजकुमारी बेटे की मौत पर बेसुध हो गईं। बहन रेनू वर्मा का विवाह हो चुका है।

प्राचार्य डॉ. मुकेश यादव ने डॉ. जावेद अहमद की अध्यक्षता वाली में छह सदस्यीय टीम को जांच सौंपी है। इसमें डॉ. संदीप कुमार शर्मा, डॉ. अमित गुप्ता, डॉ.धीरज, आउटसोर्सिंग सुपरवाइजर संदीप शुक्ला और सैनिक बोर्ड सिक्योरिटी इंचार्ज राना सिंह शामिल हैं। उन्होंने एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। प्राचार्य ने बताया कि जांच टीम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में मरीजों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त संख्या में सिक्योरिटी गार्ड की तैनाती है। अनुराग का पैर बुरी तरह से जख्मी था, इसके बाद भी वह वार्ड से बाहर निकल आया और पहली मंजिल से कूद भी गया। सवाल यह उठता है कि मरीज के बाहर निकलने की जानकारी गार्ड से लेकर स्वास्थ्य कर्मियों को कैसे नहीं हुई। कुछ लोग मरीज के लड़खड़ाकर गिरने की बात भी कह रहे हैं, लेकिन इस पर भी संशय बना हुआ है।

अदालती नोटिस

प्रारूप 7

(देखे नियम—11 (1)

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा—12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना

अदालत—श्रीमान जे0एम0 / एफ0टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती

प्रकीर्ण घरेलू हिंसा वाद संख्या—108 / 2026

थाना—कलवारी

जिला—बस्ती

शशि

बनाम

कृष्णा जायसवाल आदि

11. कृष्णा जायसवाल पुत्र स्व० मनीराम जायसवाल 2 रामकली पत्नी स्व० मनीराम जायसवाल 3. राम सागर उर्फ बबलू जायसवाल पुत्र स्व० मनीराम जायसवाल 4. शिवसागर जायसवाल पुत्र स्व० मनीराम जायसवाल 5. दीपक जायसवाल पुत्र स्व० मनीराम जायसवाल 6. अजय जायसवाल पुत्र स्व० मनीराम जायसवाल 7. नीरजा जायसवाल पत्नी राम सागर जायसवाल 8. संजू जायसवाल पत्नी शिवसागर जायसवाल 9. तेजल पत्नी दीपक जायसवाल साकिनान—मदनपुरा, थाना—कलवारी, जिला—बस्ती 10. रामचन्द्र चौरसिया पुत्र गयादीन सकिन—इजरगढ़, थाना—कलवारी, जिला—बस्ती।

(विपक्षीगण)

तारीख पेशी 30—05—2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा— 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है / किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोष) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्फत तारीख 30 मास 05 सन 2026 को बजे पूर्वान्ह / अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती

जिला—बस्ती

वाद सं0—406 / 1976

मो0 इद्रीश आदि

बनाम

मो0 मस्तफा आदि

4 / 2 / 1 शाहजहॉ पत्नी स्व0 गुलाम सरवर 4 / 2 / 2 बेलाल अख्तर पुत्र स्व0 गुलाम सरवर 4 / 2 / 3 रेहाना खातून पुत्री स्व0 गुलाम सरवर 4 / 2 / 4 शबरीन 4 / 2 / 5 नाजरीन 4 / 2 / 6 सालेहा अवयस्क पुत्रीगण स्व0 गुलाम सरवर द्वारा संरक्षिका श्रीमती शाहजहॉ माता स्वयं निवासीगण कस्बा मेंहदावल तप्पा मेंहदावल परगना मगहर पूर तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 27—05—2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 27 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय—श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती

जिला—बस्ती

वाद सं0—841 / 1992

रामनाथ

बनाम

राम आसरे

1 / 1 चन्द्रमोल उम्र लगभग 56 वर्ष 2 / 2 इन्द्रमोल उम्र लगभग 52 वर्ष 1 / 2 / 3 शेषमोल उम्र लगभग 49 वर्ष 1 / 2 / 4 विन्दमोल उम्र लगभग 45 वर्ष 1 / 2 / 5 गणेशमोल उम्र लगभग 43 वर्ष 1 / 2 / 6 प्रवीन दत्त उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्रगण रामनेवास ग्राम शिवबखरी तप्पा ओड़वारा परगना महुली पश्चिम तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 02—07—2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 02 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय— श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती

जिला—बस्ती

वाद सं0—808 / 89

रामसेवक आदि

बनाम

विशुन देव आदि

1. बेचन प्रसाद उम्र 70 साल पुत्र अयोध्या प्रसाद 2. सन्तोषमणि त्रिपाठी पुत्र मृतक दर्शन देवी साकिनान मौजा गोनउरा तप्पा बेलौली परगना मगहर पूरब तहसील धनघटा जिला संतकबीर नगर

तारीख पेशी 08—07—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

तेल की तलाश में शहर में पहुंच रहे हैं ग्रामीण

संवाददाता—गोरखपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में तेल की किल्लत से परेशान ग्रामीण शहर की तरफ रुख कर रहे हैं। गुरुवार को तमाम ग्रामीण क्षेत्र से लोग शहर के काली मंदिर चौराहे पर स्थित पेट्रोल पंप पर गैलन लेकर पहुंचे थे। बेलीपार के रहने वाले चंदन कुमार भट्ट बताते हैं कि डीजल लेने के लिए घर से गैलन लेकर निकले थे। बेलीपार से डीजल की तलाश में गोरखपुर पहुंच गए। लेकिन कहीं तेल नहीं मिल रहा है। तेल लेने के लिए पेट्रोल पंप देखते हुए शहर में आ गए। किसी जानने वाले ने बताया कि काली मंदिर पर तेल मिल रहा है, तो यहां आ गया हूं।

बताते हैं कि क्षेत्र में तेल की बहुत किल्लत है। अभी खेतों के जुताई का समय है, ऐसे में तेल की कमी से फसल लगाने में संभव नहीं दिखाई दे रही है।वहीं भटहट से आए संदीप कुमार मौर्य बताते हैं कि खेत में जुताई करते वक्त ट्रैक्टर का तेल खत्म हो गया। रस्ते में कहीं तेल नहीं मिला देखते देखते काली मंदिर पेट्रोल पंप पर पहुंचे हैं। ऐसे ही सनी चौहान जंगल सोनरी से और शिवम जंगल शखनी से और तमाम ग्रामीण क्षेत्र से आए हुए लोग गैलन लेकर लाइन में लगे हुए हैं।

11 दिन बाद नाबालिग अपहरण मामले का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। पुलिस ने शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र से नाबालिग लड़की के अपहरण के मामले में 11 दिन बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को गुरुवार को खुनुवा रोड स्थित प्लाईवुड तिराहे के पास से पकड़ा गया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया। यह मामला 10 मई का है, जब थाना क्षेत्र के एक गांव से एक नाबालिग लड़की अचानक लापता हो गई थी। परिजनों ने काफी तलाश के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं पाया, तो शोहरतगढ़ थाने में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की। आरोपी की तलाश में पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस का सहारा लिया और कई संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था, जिससे उसकी गिरफ्तारी चुनौतीपूर्ण बनी हुई थी। प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह स्वयं पूरे अभियान की निगरानी कर रहे थे और टीम को लगातार दिशा—निर्देश दे रहे थे। लगातार 11 दिनों तक चले अभियान के बाद गुरुवार को पुलिस को सफलता मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने खुनुवा रोड स्थित प्लाईवुड तिराहे के पास घेराबंदी कर आरोपी मुबारक अली पुत्र मंगरे निवासी कोटिया बाजार थाना शोहरतगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी कोटिया उपनिरीक्षक विजय कुमार सिंह की अहम भूमिका रही। उनके साथ हेड कांस्टेबल गिरजेश कुमार, आरक्षी रामसेवक यादव और विनय कुमार यादव भी लगातार अभियान में सक्रिय रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी का नाम रिन्कू सोनकर पुत्र रबी ग्राम— नेवादा पोस्ट— नन्दनगर तहसील हरैया जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। पासपोर्ट में पहले मेरा नाम रिन्कू था। अब मैने अपना नाम रिन्कू सोनकर कर लिया है। मुझे इसी के नाम से जाना व पहचाना जाय। रिन्कू और रिन्कू सोनकर मेरा ही नाम है।

एमएमएमयूटी के इतिहास में पहली बार महिला कुलपति, पंजाब यूनिवर्सिटी की प्रो. अनुपमा कौशिक शर्मा को मिली कमान

संवाददाता—गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में प्रो. अनुपमा कौशिक शर्मा की नियुक्ति की गई है। जनभवन, लखनऊ द्वारा इस संबंध में आदेश निर्गत कर दिए गए हैं, जिसके अनुसार उन्हें कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष के लिए कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रो शर्मा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की पांचवीं कुलपति होंगी। कुलपति के रूप में उनकी नियुक्ति विशेष होगीष क्योंकि मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कॉलेज के समय से विश्वविद्यालय बनने के बाद अब तक किसी महिला के हाथ में संस्थान की कमान नहीं रही है। संभवतः प्रदेश के तकनीकी संस्थानों में भी अब तक कोई महिला कुलपति या निदेशक नहीं रही है। प्रो. शर्मा की उच्च शिक्षा पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से हुई है जहां उन्होंने 1993 में केमिकल इंजीनियरिंग में बीई, 1995 में केमिकल इंजीनियरिंग में एमई, 1999 में एमबीए फाइनेंस तथा 2005 में केमिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की है। इसके साथ ही उन्होंने सांख्यिकी में पीजी डिप्लोमा तथा फ्रेंच भाषा में डिप्लोमा भी किया है। प्रो शर्मा ने लेक्चरर के तौर पर वर्ष 1999 में अपना करियर पंजाब विश्वविद्यालय के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग से शुरू किया था जहां वे 2008 में एसोसिएट प्रोफेसर और 2011 में प्रोफेसर बनीं। प्रो शर्मा ने पंजाब यूनिवर्सिटी में विभिन्न प्रशासनिक दायित्वों का भी निर्वहन किया है, जिसमें प्रमुख हैं समन्वयक टेक्विप, अधिष्ठाता पुरातन छात्र संबंध, एवं अध्यक्ष, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी। प्रो शर्मा के पास शिक्षण, शोध, एवम अकादमिक प्रशासन में 31 वर्षों का विशद अनुभव है। प्रो शर्मा ने लगभग 100 अंतर्राष्ट्रीयराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और 10 पी.एच.डी. शोध प्रबंधों का पर्यवेक्षण किया है। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीयध् अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आमंत्रित वक्तव्य दिए हैं एवम तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की है। उन्हें एशियन पॉलिमर एसोसिएशन का यंग रिसर्चर अवार्ड, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली का करियर अवार्ड फॉर यंग टीचर्स, तथा इंडो स्विस बाईलैटरल रिसर्च इनिशिएटिव फेलोशिप से सम्मानित किया जा चुका है। वे पंजाब यूनिवर्सिटी की एमबीए परीक्षा एवं सांख्यिकी डिप्लोमा परीक्षा की गोल्ड मैडलिस्ट भी रही हैं। उन्होंने फ्रांस, अमेरिका, चीन, स्विट्जरलैंड, एवं मलेशिया की अकादमिक यात्राएं भी की हैं। इसके अलावा, उन्होंने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, डीआरडीओ, यूजीसी, एआईसीटीई तथा सीएसआईआर द्वारा वित्त पोषित एक दर्जन से अधिक शोध परियोजनाएं पूर्ण की हैं। उन्होंने आईआईटी खड़गपुर, आईआईएम कोलकाता, आई आई टी मुंबई जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में नेतृत्व एवं प्रबंधन से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आस्ट्रिया, फ्रांस और जापान के विश्वविद्यालयों के साथ शोध सहयोग भी कर चुकी हैं। प्रो. शर्मा शोध, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जानी जाती हैं। जल्द ही उनके पदभार ग्रहण करने की संभावना है।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय—श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती

जिला—बस्ती

वाद सं0—31 / 2024

बलराम

बनाम

राम आसरे

4 / 1 पुष्पा 4 / 2 कंचन 4 / 3 नीलम पत्रीगण स्व0 राम प्रसाद निवासी ग्राम भूवर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 16—07—2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 16 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बाबत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

मुतफर्का अपील सं0— 05 / 2026

अदालत— श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला—बस्ती

राजेन्द्र प्रसाद आदि

बनाम

रामपराग

1. रामपराग उम्र लगभग 70 साल पुत्र रामशंकर निवासी ग्राम सरायघाट उर्फ लालगंज तप्पा बड़गोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

—रेस्पान्डेन्ट / प्रतिवादी

तारीख पेशी 22—05—2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुस्म्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 22 महीना 05 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

गवाहों ने कोर्ट में बदले बयान, आरोप साबित नहीं होने पर दो आरोपी बरी

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। मारपीट, गाली—गलौज और धमकी के मामले में अदालत ने दोनों आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त करार दिया। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. धर्मेंद्र कुमार यादव की अदालत ने यह फैसला सुनाया। घटना आलापुर थाना क्षेत्र के सहिजना हमजापुर गांव की। वर्ष 2015 में केस दर्ज कराया गया था। मामले में राजेंद्र प्रसाद निषाद व गोपीचंद निवासी ग्राम सहिजना हमजापुर को आरोपी बनाया गया था। अभियोजन के अनुसार, 16 अगस्त 2015 को सुबह करीब 9 बजे आरोपियों पर बिजली की दुकान में घुसकर अनिल कुमार यादव व उनके पिता के साथ मारपीट, गाली—गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया था। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर चार्जशीट दाखिल की थी।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से रामगोविंद और अनिल कुमार को गवाह के रूप में पेश किया गया। हालांकि अदालत में दोनों गवाह अपने पूर्व बयानों से मुकर गए। रामगोविंद ने जिरह के दौरान कहा कि भीड़ और धक्का—मुक्की में गिरने से चोट लगी थी तथा आरोपियों ने मारपीट नहीं की थी। वहीं अनिल कुमार ने भी अदालत में कहा कि बिजली के सामान को लेकर कहासुनी हुई थी लेकिन आरोपियों ने न मारपीट की और न ही जान से मारने की धमकी दी। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में पूरी तरह असफल रहा। इस आधार पर अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है।

दैनिक
भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com